

Name _____

Roll No. _____

कुल प्रश्नों की संख्या : 18 |

| कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

J-201401-A

विषय : हिन्दी (सामान्य)

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 75

- निर्देश** :
- (i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।
 - (ii) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। इसमें कुल 15 अंक निर्धारित हैं। इस प्रश्न में तीन उपखण्ड हैं - खण्ड-(अ) बहुविकल्पीय प्रश्न (5 अंक), खण्ड-(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति की लिए (5 अंक) और खण्ड-(स) उचित संबंध जोड़िए (5 अंक)।
 - (iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 6 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निर्धारित हैं। उत्तर अधिकतम 20-30 शब्दों में लिखिए।
 - (iv) प्रश्न क्रमांक 7 से 10 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक निर्धारित हैं। उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में लिखिए।
 - (v) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित हैं। उत्तर अधिकतम 75 शब्दों में लिखिए।
 - (vi) प्रश्न क्रमांक 16 निबंधात्मक प्रश्न है। इस पर 8 अंक निर्धारित है। इसका उत्तर अधिकतम 250 से 300 शब्दों में लिखिए।
 - (vii) प्रश्न क्रमांक 17 एवं 18 अपठित गद्यांश एवं पत्र-लेखन है। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक निर्धारित हैं।
 - (viii) प्रश्न क्रमांक 11 से प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

प्रश्न-1 (खण्ड-अ) सही विकल्प चुनकर लिखिए :

[1×5=5]

(i) 'हठीली' शब्द प्रयुक्त हुआ है :

- (अ) चना के लिए
- (ब) अलसी के लिए
- (स) सरसों के लिए
- (द) गेहूँ के लिए

(ii) 'बादल को घिरते देखा है'—के कवि हैं :

- (अ) नागार्जुन
- (ब) मुक्तिबोध
- (स) अज्ञेय
- (द) महादेवी वर्मा

(iii) हिन्दी का पहला उपन्यास है :

- (अ) इंदुमती
- (ब) गोदान
- (स) लहर
- (द) परीक्षा गुरु

(iv) जलियावाला बाग काण्ड किस शहर में हुआ था ?

- (अ) लखनऊ
- (ब) काश्मीर
- (स) बिहार
- (द) अमृतसर

(v) घीसा की झोपड़ी किस नदी के किनारे थी ?

(अ) गंगा

(ब) यमुना

(स) गोदावरी

(द) नर्मदा

प्रश्न-1 (खण्ड-ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

[1×5=5]

(i) कोठी म — छलक जाए, ये जिनगी फेर चमक जाए।

(ii) महादेवी वर्मा को आधुनिक काल की — कहा जाता है।

(iii) जीवन के — किनारे होते हैं।

(iv) 'गवाक्ष' का अर्थ — है।

(v) मीरा के आराध्य — हैं।

प्रश्न-1 (खण्ड-स) उचित संबंध जोड़िए :

[1×5=5]

(क)

(ख)

(i) जीवन का झरना - आत्मकथा

(ii) वीर नारायण सिंह - कमइया

(iii) सगुण भक्ति धारा - सोनाखान

(iv) काम करने वाला - सूरदास

(v) मैं मजदूर हूँ - ओज गुण

- प्रश्न-2 वनवासियों का जीवन कैसा होता है ? [2]
- प्रश्न-3 सूनापन दूर करने के लिए कवि कौन-कौन से उपाय करता है ? [2]
- प्रश्न-4 नई कविता की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। [2]
- प्रश्न-5 मधुलिका ने पुरस्कार में क्या माँगा और क्यों ? [1-1-2]
- प्रश्न-6 मायका और ससुराल के बीच की स्थिति को कवि ने प्रातर प्राण क्यों कहा है ? [2]
- प्रश्न-7 रहस्यवाद का अर्थ क्या है ? दो रहस्यवादी कवि के नाम उनकी रचनाओं के साथ लिखिए। [1-2=3]
- प्रश्न-8 सिकुमार किसान से मजदूर कैसे बन गया ? [3]
- प्रश्न-9 'बादल को घिरते देखा है'—कविता के प्रकृति-चित्रण को अपने शब्दों में लिखिए। [3]
- प्रश्न-10 घीसा का नाम 'घीसा' कैसे पड़ा ? [3]
- प्रश्न-11 बेरोजगारी के क्या-क्या कारण हैं ? कोई चार कारण लिखिए। [1-1-1-1-4]

अथवा

लेखक बनने के लिए शरत बाबू के क्या-क्या सुझाव थे ? लिखिए।

- प्रश्न-12 दुनिया के विकास कार्यों में मजदूरों के योगदान को अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

'अपनी-अपनी बीमारी' पाठ में लेखक किस बीमारी से मरना चाहते हैं, और क्यों ?

- प्रश्न-13 पंक्ति 'बाधा के रोड़ों से लड़ता' का आशय जीवन को कैसे और कब-कब प्रभावित करता है? अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

'टूँठ' किसका प्रतीक है? 'एक था पेड़ और एक था टूँठ' पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

- प्रश्न-14 निम्नलिखित पद्यांश का भाव स्पष्ट (व्याख्या) कीजिए : [4]

अजहूँ न निकसे प्राण कठोर
दरसन बिना बहुत दिन बीते, सुंदर प्रीतम मोर
चारि पहर चारों जुग बीते रैन गँवाई भार
अवधि गई अजहूँ नहीं आए, कतहूँ रहे चितचोर

अथवा

पायो जी म्हे तो गम रतन धन प्रायो ॥
वस्तु अमोलक दी में अतगुरु, किरपा कर अपनायो ॥
जनम जनम का पूजी पाई, जग में सभो खोवायो ॥
खायो न खरच चोर न लेव, दिन-दिन बढ़त सवायो ॥

- प्रश्न-15 छत्तीसगढ़ की प्रमुख लोक नाट्य विधा 'नाचा' को संक्षेप में समझाइए तथा प्रमुख नाचा कलाकार के नाम लिखिए। [4]

अथवा

वीर नारायण सिंह में कौन-कौन से मानवीय मूल्य दिखते हैं, जो उन्हें अद्वितीय सिद्ध करते हैं?

प्रश्न-16 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 से 300 शब्दों में सारगर्भित

[2+4+2=8]

निबंध लिखिए :

- (i) छात्र जीवन एवं अनुशासन
- (ii) विज्ञान की देन कम्प्यूटर
- (iii) स्वच्छता अभियान
- (iv) जीवन में खेलों का महत्व
- (v) उत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थल

प्रश्न-17 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(कोई पाँच) :

[1+1+1+1+1=5]

समय कभी किसी के लिए नहीं ठहरता। इस संसार में सबसे मूल्यवान है— समय। धन को तो परिश्रम करके पुनः कमाया जा सकता है किंतु बीता समय कभी लौटकर नहीं आता। इतिहास साक्षी है जिसने भी समय का सदुपयोग किया, उसे जीवन में सफलता प्राप्त हुई। विद्याभी काल में तो समय का और भी अधिक महत्व है। उसके लिए समय स्वर्ण से भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। मनोरंजन के नाम पर समय को नष्ट करना स्वयं को धोखा देना है। धन के द्वारा समय नहीं कमाया जा सकता।

प्रश्न :

- (i) विद्यार्थी का समय किससे अधिक महत्वपूर्ण है ?
- (ii) 'सफलता' में कौन-सा प्रत्यय है ?
- (iii) इस संसार में सबसे अधिक मूल्यवान क्या है ?
- (iv) मनोरंजन में हमारा क्या नष्ट होता है ?
- (v) 'स्वर्ण' का समानार्थी लिखिए।
- (vi) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न-18 आपका नाम दीपक कुमार है। आप शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गयगढ़ में कक्षा-दसवीं के छात्र हैं। अपने प्राचार्य को, आर्थिक कारण बताते हुए, शान्ति शुल्क माफ करने हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए।

[1.1.2.15]

अथवा

रायपुर नगर निगम के अध्यक्ष को एक शिकायत पत्र लिखिए, जिसमें मुहल्ले की सफाई न होने के संबंध में शिकायत की गई हो।

downloaded from
StudentSuvidha.com